[This question paper contains 4 printed pages.]

7865 *Your Roll No. .....*

LL.B. / V Term **E**

Paper LB-502 – JURISPRUDENCE – I

(Theory of Law)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any **five** *questions.*
All *questions carry equal marks.*
Answer the questions giving examples from Indian Legal System.

कुल **पाँच** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*
सभी *प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्नों के उत्तर भारतीय विधिक प्रणाली से उदाहरण देते हुए लिखिए।*

1. Critically examine Austin's concept of Sovereignty. How far it is relevant in Indian Legal System ? (20)

P.T.O.

ऑस्टिन की संप्रभुता की संकल्पना की समीक्षात्मक जांच कीजिए। भारतीय विधिक प्रणाली में यह कहां तक सुसंगत है ?

2. "Legal order is a social coercive and a normative order according to Hans Kelsen". Elaborate the above statement. (20)

"हेन्स केल्सन के अनुसार विधिक व्यवस्था एक सामाजिक प्रपीड़क और प्रादर्शक व्यवस्था होती है।" उपर्युक्त कथन का खुलासा कीजिए।

3. Elucidate the concept propounded by Hart : 'Law is a Union of Primary and Secondary rules'.

What are the defects in a society consisting only of primary rules ? How are the defects rectified by H.L.A. Hart ? (20)

हार्ट द्वारा प्रतिपादित संकल्पना की व्याख्या कीजिए -

'विधि प्राथमिक और द्वितीयक नियमों का संघ है।' केवल प्राथमिक नियमों वाले समाज में क्या कमियां होती हैं ? एच. एल. ए. हार्ट द्वारा इन कमियों को किस प्रकार सुधारा गया है ?

4. Describe in detail the concept of Volksgeist or 'Spirit of the Volk' applied to Law by Savigny. (20)

जनमानस की संकल्पना अथवा सेविग्नी द्वारा विधि पर अनुप्रयुक्त 'जन चेतना' का सविस्तार वर्णन कीजिए।

5. Trace four stages of development of Law from primitive societies to progressive societies alongwith Henry Maine's contribution to historical and anthropological jurisprudence. (20)

ऐतिहासिक तथा मानवशास्त्रीय विधिशास्त्र के प्रति हेनरी मेन के योगदान के साथ-साथ आदिम समाजों से प्रगतिशील समाजों तक विधि के विकास की चार अवस्थाओं का वर्णन कीजिए।

6. (a) Examine in detail the view of Roscoe Pound :

'Sociological jurisprudence should ensure that making, interpretation and application of Laws take account of social facts ?

(b) Critically analyse Roscoe Pound's 'Balancing of Interest Theory' with examples from Indian legal system. (20)

(क) रॉस्को पाउंड के विचार की विस्तृत जांच कीजिए -

"सामाजिक विज्ञान सम्बन्धी विधिशास्त्र को सुनिश्चित करना चाहिए कि विधि के निर्माण, निर्वचन और अनुप्रयोग में सामाजिक तथ्यों को ध्यान में रखा जाए।"

(ख) रॉस्को पाउंड के 'हित सन्तुलन सिद्धान्त' की समीक्षात्मक जांच भारतीय विधिक प्रणाली से उदाहरण लेकर कीजिए।

7. Critically analyse the judgements delivered by Justice Handy and Chief Justice Keen in the case of the Speluncean Explorers. (20)

स्पेलनसियन एक्सप्लोरर्स के केस में जस्टिस हेन्डी तथा चीफ जस्टिस कीन द्वारा दिए गए निर्णय का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

8. Briefly explain any **four** of the following :

(a) Tacit Command theory of Austin

(b) Ultimate Rule of Recognition of H.L.A. Hart

(c) Exception to Command Theory of Austin

(d) Independent & Dependent Legal Norms according to Kelsen

(e) Relationship between Validity and Effectiveness according to Hans Kelsen (5×4=20)

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए :

(क) ऑस्टिन का अनुक्त समादेश सिद्धांत

(ख) एच. एल. ए. हार्ट का मान्यता का अंतिम नियम

(ग) ऑस्टिन के समादेश सिद्धान्त के अपवाद

(घ) केल्सन के अनुसार अनाश्रित तथा आश्रित विधिक सन्नियम

(ङ) हेन्स केल्सन के अनुसार वैधता और प्रभाविता के बीच सम्बन्ध